पर्यावरण के लिए लाइफस्टाइल कार्यक्रम के लिए माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

योर एक्सीलेन्सीज:

आप सबका लोकतंत्र की जननी भारत में हार्दिक स्वागत है। पर्यावरण के लिए लाइफस्टाइल से संबंधित प्री समिट बैठक में आप सबका अभिवादन करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

आज पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसा विषय है जो सम्पूर्ण विश्व के साझे भविष्य से जुड़ा हुआ है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि पर्यावरण से संबंधित विषयों को हमने पी-20 सम्मेलन की चर्चा के केंद्र में रखा है। और आज प्रीसमिट में इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर रहे हैं।

योर एक्सीलेन्सीज:

हमारी भारतीय संस्कृति और परंपराओं में पर्यावरण को मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा माना गया है। प्रकृति को आदर सम्मान देना हमारे संस्कारों में है।

हमारे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है कि "जो प्रकृति की रक्षा करते हैं, प्रकृति उनकी रक्षा करती है।" और यही पर्यावरण संरक्षण की मूल भावना भी है।

बदलते परिप्रेक्ष्य में आज दुनिया का कोई भी देश जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से अछूता नहीं है। हम विश्व के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से अवगत हैं इसलिए इस दिशा में ठोस प्रयास आज के समय की मांग है।

योर एक्सीलेन्सीज:

पर्यावरण संरक्षण के विषय पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पर्यावरण के लिए लाइफ स्टाइल का विचार विश्व के समक्ष रखा था। मिशन लाइफ स्टाइल पर्यावरण संरक्षण का व्यापक दृष्टिकोण है जो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रिड्यूस, रीयूज और री-साइकल के व्यवहार अपनाने की प्रेरणा देता है।

इसीलिए हमें आज ऐसी जीवन शैली, ऐसा दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जिससे हमारे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। यह हम सबका व्यक्तिगत और सामूहिक दायित्व है।

लाइफ स्टाइल मिशन ने हमें जलवायु परिवर्तन, सतत् विकास, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा जैसी समकालीन चुनौतियों से निपटने का एक नया मार्ग दिया है।

आज यह विचार एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। इस विचार को आधार बनाकर आज अलग अलग देश अपनी भौगोलिक एवं सामाजिक आर्थिक स्थितियों के अनुसार नीतियाँ और कार्य योजनाएं बना रहे हैं।

पर्यावरण के लिए लाइफ स्टाइल विषय पर भारत की संसद में भी व्यापक चर्चा हुई है और कानून बनाए गए हैं। मेरा आग्रह है कि दुनिया के सभी संसदों में इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए।

लेकिन जलवायु परिवर्तन की समस्या पर केवल नीतियां एवं कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि हम सबको अपनी दिनचर्या में बदलाव कर सामूहिकता से योगदान देने की आवश्यकता है।

मुझे विश्वास है कि हम मिशन लाइफस्टाइल के संदेश को अपने जीवन का एक हिस्सा बनाकर एक बेहतर विश्व का निर्माण का लक्ष्य प्राप्त करने में सफल होंगे। इसी उम्मीद के साथ आप सबका एक बार फिर हार्दिक स्वागत करता हूँ।